

L/Sem IV/96

**LL.B. (Hons.) (Semester IV)
Examination, 2014-15**

Law

Paper : LBH-221

Family Law-II (Muslim Law)

Time : Three Hours

Full Marks : 70

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

- 1.** Discuss the various schools of Muslim Law in detail.

मुस्लिम विधि का विभिन्न विचार शाखाओं की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

- 2.** "Muslim Marriage is civil contract not a sacrament." Discuss with the help of leading cases. What are essential conditions of Muslim Marriage ? Discuss.

‘मुस्लिम विवाह एक सिविल संविदा है न कि एक संस्कार’। महत्वपूर्णवादों की सहायता से विवेचना कीजिए। मुस्लिम विवाह की आवश्यक शर्तें क्या हैं ? विवेचना कीजिए।

P.T.O.

3. What is Dower ? Discuss the nature and classification of Dower under Muslim Law.

मेहर क्या है ? मुस्लिम विधि के अन्तर्गत मेहर की प्रकृति एवं वर्गीकरण की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the various modes of dissolution of Marriage under Muslim Law.

मुस्लिम विधि के अन्तर्गत विवाह-विच्छेद के विभिन्न तरीकों की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the rules of maintenance of Muslim divorced wife in detail.

मुस्लिम तलाकशुदा पत्नी के भरणपोषण के नियमों की विस्तार से विवेचना कीजिए।

6. "No Muslim can make a valid washiyat (will) of more than that limit of his property which has been prescribed by Muslim Law". In the context of this statement. Discuss the law relating whashiyat under muslim Law.

“कोई भी मुस्लिम, मुस्लिम विधि में विहित अपनी सम्पत्ति का उस सीमा से अधिक वसीयत नहीं कर सकता है।” इस कथन के आलोक में मुस्लिम विधि के अन्तर्गत वसीयत से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिए।

7. What is HIBA-BIL-IWAJ ? Discuss the essential elements of Gift under Muslim Law.

हिबा-बिल-एवज क्या है ? मुस्लिम विधि के अन्तर्गत दान के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following :
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Who is Muslim ?

मुस्लिम कौन है ?

(b) Shariat

शरियत

(c) Fiqh

फिक्ह

(d) Importance of qoran as a source of Muslim Law.

मुस्लिम विधि के स्रोत के रूप में कुरान का महत्व